जब जब जिसने बांटा है दया प्रेम सदभाव भजन लिरिक्स

जब जब जिसने बांटा है,
दया प्रेम सदभाव,
वहां श्याम कृपा सदा बरसे,
नहीं रहता कोई अभाव,
उसकी तो रोज़ ही मस्ती है,
उसकी तो अलग ही हस्ती है।bd।

तर्ज – ये बंधन तो।

प्रेम जगत की रीत है,
प्रेम है जग आधार,
प्रेमी से प्रेमी मिले तो,
बने श्याम परिवार,
बांटो तो ये सस्ती है,
जिसे दुनिया तरसती है,
उसकी तो रोज़ ही मस्ती है,
उसकी तो अलग ही हस्ती है।bd।

याद करके देखो,
दया प्रभु बरसाते,
पलक झपकते प्रभुवर,
रंक से राजा बनाते,
ये बात मुझे जंचती है,
तभी आते खाटू बस्ती है,
उसकी तो रोज़ ही मस्ती है,
उसकी तो अलग ही हस्ती है।bd।

जैस तुम चाहोगे,
वैसा प्रभाव रहेगा,
गले लगाकर देखो,
सदभाव मन में जागेगा,
श्याम कृपा से मिले भक्ति है,
'गोपाल' कहे तृप्ति है,
उसकी तो रोज़ ही मस्ती है,
उसकी तो अलग ही हस्ती है।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जब जब जिसने बांटा है,
दया प्रेम सदभाव,
वहां श्याम कृपा सदा बरसे,
नहीं रहता कोई अभाव,
उसकी तो रोज़ ही मस्ती है,
उसकी तो अलग ही हस्ती है।bd।

Singer – Mandeep Jangra

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com